एवरशाइन

रत्नमाला

हिंदी पाठ्य पुस्तक

भाग-2

वेदप्रकाश एम.ए.(हिंदी)

EVERSHINE® ESP PUBLISHERS

Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi-110046
Phone : 28111758, 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

पुस्तक का कोई भी अंश तथा चित्र किसी भी प्रकार से उद्धृत करना सर्वथा वर्जित है।
इस पुस्तक की कुंजी, गाइड अथवा किसी भी प्रकार की सहायक पुस्तक छापना वर्जित है।

Published by :
EVERSHINE PUBLISHERS
Soni House, WZ-348, Nangal Raya,
New Delhi-110046
Phone : 28111758, 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक-माला "एवरशाइन-रत्नमाला" के पाठों की रचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के आदर्श पाठ्यक्रम की सभी संस्तुतियों को ध्यान में रखकर की गई है ।

प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा के शिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पढ़ने, लिखने और समझने का कौशल सिखाना होता है । इस पुस्तक-माला का उद्देश्य भी यही है । इसकी प्राप्ति के लिए भाषा तथा विषय-वस्तु, दोनों को योजनानुसार सरल से कठिन तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर लाया गया है । यह करते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि आरंभ की कक्षाओं में विद्यार्थियों के मस्तिष्क पर कठिन शब्दावली तथा वाक्य-संरचनाओं का अधिक भार न पड़े । इसके अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री का चयन तथा लेखन विद्यार्थियों की आयु, अनुभव-सीमा एवं रुचि के अनुरूप किया गया है ।

पुस्तक-माला की रचना भारत सरकार की संशोधित तथा परिवर्धित देवनागरी लिपि एवं हिंदी मानकीकरण के आधार पर की गई है । अधिकतर विषय चरित्र-निर्माण, मानव-मूल्य, सत्यता, पर्यावरण, सर्व-धर्म सभा, देश-प्रेम, स्वास्थ्य, खेल-कूद, अनुशासन तथा विज्ञान पर आधारित हैं । ये ऐसे विषय हैं जो विद्यार्थियों को देश का सफल नागरिक बनाने में सहायक होंगे ।

पुस्तक-माला की सबसे बड़ी विशेषता है पाठ के अंत में विविध प्रकार के अभ्यास । इन अभ्यासों में परंपरागत प्रश्नों को अत्यंत सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है । हमारा विश्वास है कि इन अभ्यासों को हल करने से निश्चय ही विद्यार्थियों के भाषा संबंधी ज्ञान में वृद्धि होगी ।

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक-माला विद्यार्थियों को स्वत: अध्ययन करने के लिए प्रेरित करेगी तथा उनके भाषा-विकास में सहायक होंगी । विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से प्राप्त होने वाले सुझावों का हम हार्दिक स्वागत करेंगे । ये सुझाव पुस्तक-माला के अगले संस्करण को रोचक बनाने में उपयोगी होंगे ।

-प्रकाशक

विषय-सूची

1. वंदना 5–7
2. बालक ध्रुव 8–12
3. दीपावली 13–16
4. इनसे सीखो 17–20
5. आप कैसे हैं ? 21–23
6. कृष्ण-जन्म 24–27
7. ताजमहल की सैर 28–32
8. हमारे उपयोगी पशु 33–37
9. भाग्य के सहारे मत रहो 38–41
10. आगे ही हम बढ़ते जाएँ 42–44

प्रश्न-पत्र—1 45

11. किस्सा बशीर खाँ के जूतों का 46–50
12. सड़क-सुरक्षा के नियम 51–55
13. पेड़ की गवाही 56–60
14. दाँतों की सफ़ाई 61–64
15. मीठी बोली 65–67
16. अनोखा मूर्तिकार 68–72
17. राजकुमार और हंस 73–77
18. मेरा प्रिय खेल - क्रिकेट 78–82
19. अकबर-बीरबल विनोद 83–86
20. हँसो और हँसाओ 87

प्रश्न-पत्र—2 88

वंदना

पाठ परिचय

प्रस्तुत वंदना में बच्चे ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि वह उन्हें अच्छे मार्ग पर चलने का ज्ञान दे। प्रातः वंदना से मन को शांति मिलती है जिससे व्यक्ति दिन-भर का काम सुचारू ढंग से करता है।

दो ऐसा वरदान दयामय,
सत्य मार्ग को अपनाएँ हम।
गुरुओं के आशीर्वाद से,
उत्तम विद्या पाएँ हम ॥

जो कर सके विरोध अनय का,
शक्ति विलक्षण पाएँ हम।
हमलावर के दुस्साहस पर,
क्रूर काल बन जाएँ हम ॥

सदियों से जो दीन-हीन हैं,
उनके कष्ट मिटाएँ हम।
शुष्क हृदय को सींच सके जो,
वह सरिता बन जाएँ हम ॥

धर्म, जाति, औ' संप्रदाय के,
सारे भेद मिटाएँ हम।
सबका आदर करना सीखें,
प्रेम-सुधा बरसाएँ हम ॥

साहस के संबल बल पर,
आगे बढ़ते जाएँ हम ।
बाधाओं के आने पर,
पर्वत से दृढ़ हो जाएँ हम ।।

मातृभूमि की बलिदेवी पर,
अपना शीश चढ़ाएँ हम ।
अमर शहीदों के सपनों को,
सच करके दिखलाएँ हम ।।

दयामय	=	दया से पूर्ण	सत्य	=	सच
अनय	=	अन्याय	विलक्षण	=	अनोखी
दुस्साहस	=	अनुचित साहस	क्रूर	=	ज़ालिम
शुष्क	=	सूखा	सरिता	=	नदी
औ'	=	और	प्रेम-सुधा	=	प्यार का अमृत
संबल	=	सहारा	बाधा	=	रुकावट
दृढ़	=	मज़बूत	शीश	=	सिर

पाठ-बोध

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :

1. हमें उत्तम विद्या किसके आशीर्वाद से मिल सकती है ?
2. हमलावर के दुस्साहस पर हमें कैसा बनना चाहिए ?
3. एकता लाने के लिए किस-किस प्रकार के भेद-भाव मिटाना आवश्यक है ?
4. बाधाओं के आने पर हमें कैसा बन जाना चाहिए ?
5. हमें किनके सपनों को सच करके दिखलाना है ?

(ख) विलोम शब्द लिखो :

1.	सत्य	×	.....	2.	शुष्क	×	.....
3.	आदर	×	.....	4.	आगे	×	.....
5.	बढ़ना	×	.....	6.	विरोध	×	.....

सहायता के लिए शब्द

समर्थन	पीछे	अनादर	असत्य	गीला	घटना

(ग) समझो और लिखो :

1.	गुरु	=	गुरुओं ने	2.	हमलावर	=	..... को
3.	दीन	=	..... पर	4.	कष्ट	=	..... को
5.	बाधा	=	..... के	6.	शहीद	=	..... के

(घ) उदाहरण के अनुसार दो-दो शब्द लिखो :

1.	त् + य	=	त्य	सत्य	....
2.	क् + त	=	क्त	शक्ति	....
3.	स् + स	=	स्स	दुस्साहस	....
4.	प् + र	=	प्र	संप्रदाय	....
5.	ष् + क	=	ष्क	शुष्क	....

(ङ) सुंदर लेख में लिखो :

1.	आशीर्वाद	.....	.....	.....
2.	विलक्षण	.....	.....	.....
3.	संप्रदाय	.....	.....	.....
4.	मातृभूमि	.....	.....	.....
5.	बलिदेवी	.....	.....	.....

प्रभु से हर प्रात: साहस, सेवा-भाव, दृढ़ता, स्वदेश-प्रेम एवं सत्यनिष्ठा जैसे गुण प्रदान करने की प्रार्थना करो । इन्हें प्राप्त करने के लिए संकल्प भी लो ।